CIJ–01

December – Examination 2020

Certificate in Phalit–Jyotish Examination

(फलित ज्योतिष का सैद्धान्तिक ज्ञान)

Paper : CIJ-01

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Note :– The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A **10×2=20**

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) नक्षत्रों की संख्या कितनी मानी गयी है ?
   (ii) कुम्भ राशि के नक्षत्र कौनसे हैं ?
   (iii) लोहे के पाये में किन नक्षत्रों की गणना होती है ?
   (iv) भ चक्र में प्रत्येक राशि का कितना मान है ?
   (v) पित्त प्रकृति की राशियाँ कौनसी मानी गयी हैं ?
   (vi) मेष राशि के राशि स्वामी का क्या नाम है ?
   (vii) एक होरा की अवधि कितनी मानी गयी है ?
   (viii) योग की गणना का सूत्र लिखिए।
   (ix) कुल करणों की संख्या कितनी है ?
   (x) बृहस्पति की उच्च राशि क्या है ?

Section–B 4×20=80

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. नक्षत्र के विभाजन का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
3. अश्विनी नक्षत्र के स्वरूप एवं प्रभाव का वर्णन कीजिए।
4. तत्त्व के आधार पर राशियों को विभाजित कीजिए।
5. योगों का नामोल्लेख कीजिए।
6. चर तथा स्थिर करणों को स्पष्ट कीजिए।
7. शुक्र ग्रह के कारकत्व का वर्णन कीजिए।
8. ग्रहों के मंत्रिमण्डल पर प्रकाश डालिए।
9. मंगल, बृहस्पति एवं शनि ग्रह की विशेष दृष्टि पर टिप्पणी कीजिए।